DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

20 June, 2024

नालंदा विश्वविद्यालय

संदर्भ: *प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया।*

- बिहार के पटना से 95 किलोमीटर और बोधगया से 110 किलोमीटर दूर स्थित नालंदा विश्व के प्राचीनतम शिक्षण केंद्रों में से एक के रूप में प्रसिद्ध है।
- वर्ष 2016 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित नालंदा, यूरोप के सबसे पुराने विश्वविद्यालय बोलोग्ना से पहले का है, जिसकी स्थापना 11वीं-12वीं शताब्दी में हुई थी।
- मूल रूप से महाविहार या श्रेष्ठ मठ के रूप में वर्णित नालंदा, प्राचीन और प्रारंभिक-मध्ययुगीन भारत में एक प्रमुख मठावास (आश्रयस्थल) और शैक्षणिक संस्थान के रूप में कार्य करता था।
- आज, इस स्थल पर 5वीं से 12वीं शताब्दी ईस्वी तक के मंदिर, मठाश्रय, उन्नत संरचनाएं और कलाकृतियाँ सहित कई अन्य अवशेष देखे जा सकते हैं।

➢ साहित्यिक स्रोत:

- नालंदा के इतिहास और संचालन के बारे में प्राथमिक विवरण मुख्य रूप से चीनी बौद्ध भिक्षुओं जैसे कि ह्वेन त्सांग और यिजिंग (आई त्सिंग) से प्राप्त होते हैं, विशेषतः 7वीं शताब्दी ई. में यहाँ आने वाले ज़ुआन त्सांग का विवरण महत्वपूर्ण है।
- ज़ुआन त्सांग ने नालंदा की उत्पत्ति का श्रेय बुद्ध (6वीं शताब्दी ई.पू.) और मौर्य सम्राट अशोक (लगभग 268-232 ई.पू.) को दिया है, जिसमें अशोक द्वारा सारिपुत्र के सम्मान में एक स्तूप/मंदिर का निर्माण करने का उल्लेख है।
- पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि नालंदा के भौतिक अवशेष मुख्य रूप से गुप्त काल (5वीं शताब्दी ई.पू. के बाद) के हैं, जो ज़ुआन त्सांग के पहले के ऐतिहासिक विवरणों से अलग हैं।
- गुप्त वंश, जो ब्राह्मणवादी मान्यताओं को संरक्षण देने के लिए जाना जाता है, ने भी बौद्ध धर्म का समर्थन किया, राजा विक्रमादित्य और उनके वंशजों का नालंदा से संबंध था।

➢ पाल वंश:

- पाल वंश, जो अपने बौद्ध सम्बंधों के लिए जाना जाता है; ने 8वीं से 12वीं शताब्दी ई. तक बिहार, बंगाल और बांग्लादेश पर अपने शासनकाल के दौरान नालंदा का संरक्षण किया।
- दूसरे पाल राजा धर्मपाल (781-821 ई.) ने सोमपुरा (पहाड़पुर) और विक्रमशिला में मठों की स्थापना की, जिससे नालंदा के रख-रखाव में योगदान मिला।
- नालंदा के शिलालेखों में धर्मपाल के उत्तराधिकारी देवपाल (821-861 ई.) से उपहार प्राप्त करने का उल्लेख है, जिन्होंने मठ के रख-रखाव में और भी सहायता की।

➢ विश्वविद्यालय के रूप में महाविहार:

- नालंदा एक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में संचालित होता था, जो चीन, जापान, कोरिया, दक्षिण पूर्व एशिया और मध्य एशिया से छात्रों को आकर्षित करता था, जैसा कि चीनी और तिब्बती ग्रंथों में उल्लेखित है।
- हालांकि इसके पाठ्यक्रम की विशिष्टताएँ सीधे तौर पर प्रमाणित नहीं हैं, लेकिन नालंदा में संभवतः धार्मिक ग्रंथों से परे साहित्य, धर्मशास्त्र, तर्कशास्त्र, चिकित्सा, दर्शन, कला और तत्वमीमांसा जैसे विषय पढ़ाए जाते थे।

➢ नालंदा का पतन:

- नालंदा के पतन के बारे में दो मुख्य सिद्धांत बताते हैं, सबसे प्रचलित सिद्धांत यह है कि इसका कारण 1200 ई. के आसपास बख्तियार खिलजी द्वारा किया गया आक्रमण और विनाश है, जैसा कि फ़ारसी विवरणों में वर्णित है।
- एक वैकल्पिक सिद्धांत यह सुझाव देता है, कि आंतरिक संघर्ष, विशेष रूप से ब्राह्मणों और बौद्धों के बीच, नालंदा के पतन में योगदान दिया, जो इस विषय पर विद्वानों के मतभेद को भी दर्शाता है।

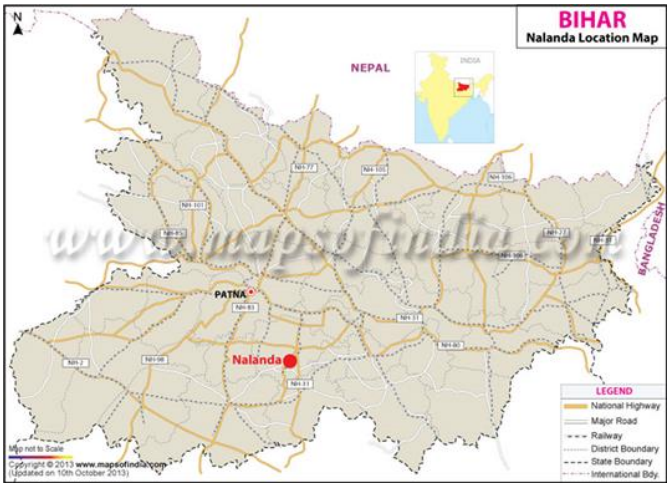

सिकल सेल रोग

संदर्भ: *केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, भारत अनुसूचित जनजातियों में प्रचलित एक आनुवंशिक रक्त विकार, सिकल सेल रोग के लिए जीन थेरेपी विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।*

- **परिभाषा:** सिकल सेल रोग (SCD) लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करने वाला एक सामान्य वंशानुगत रक्त विकार है।
- **हीमोग्लोबिन असामान्यता:** इसमें असामान्य हीमोग्लोबिन (हीमोग्लोबिन एस) शामिल है, जिससे लाल रक्त कोशिकाएं अर्धचंद्राकार आकार ले लेती हैं, इनमें लचीलापन कम हो जाता है और वे आपस में चिपक जाती हैं।
- **प्रभाव:** यह रक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर सकता है, जिससे दर्द, संक्रमण, अंग क्षति और एनीमिया जैसी गंभीर जटिलताएँ हो सकती हैं।
- **आजीवन स्थिति:** SCD के लिए आजीवन प्रबंधन की आवश्यकता होती है, हालाँकि उपचार लक्षणों को कम कर सकते हैं और जीवन को लम्बा कर सकते हैं।

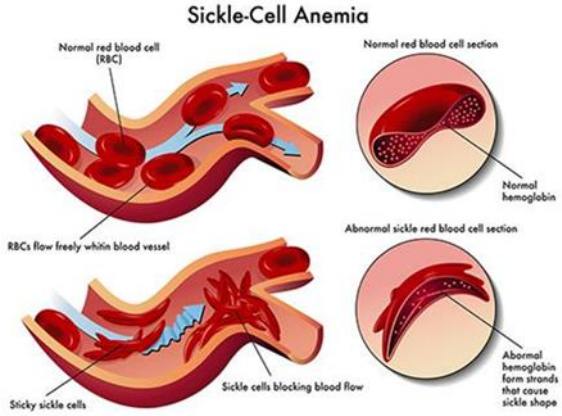

➢ सिकल सेल रोग के प्रकार:

- **हीमोग्लोबिन एसएस (HbSS):** SCD के 65% रोगियों को प्रभावित करने वाला गंभीर रूप, जिसमें दोनों हीमोग्लोबिन एस जीन वंशानुगत होते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **हीमोग्लोबिन एससी (एचबीएससी):** 25% को प्रभावित करने वाला हल्का से मध्यम रूप, एक माता-पिता से हीमोग्लोबिन एस और दूसरे से हीमोग्लोबिन सी विरासत में मिलता है।
- **हीमोग्लोबिन (एचबीएस) बीटा थैलेसीमिया**: यह माता-पिता से प्राप्त होता है। हीमोग्लोबिन एस और बीटा थैलेसीमिया जीन वाले वेरिएंट, जिन्हें "प्लस" (एचबीएस बीटा +) या "जीरो" (एचबीएस बीटा 0) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

सिकल सेल रोग के लक्षण

- **एनीमिया:** सिकल कोशिकाएं जल्दी मर जाती हैं, जिससे लाल रक्त कोशिकाओं की कमी हो जाती है, जिससे थकान, पीलापन और कमजोरी होती है।
- **दर्द:** सिकल कोशिकाएं रक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर सकती हैं, जिससे दर्द का संकट पैदा हो सकता है जो हल्का या गंभीर हो सकता है और शरीर के विभिन्न हिस्सों को प्रभावित कर सकता है।
- **पीलिया**: सिकल कोशिकाएं बिलीरुबिन के निर्माण के कारण त्वचा और आंखों में पीलापन पैदा कर सकती हैं।
- **हाथों और पैरों की सूजन:** सिकल कोशिकाएं हाथों और पैरों में रक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर सकती हैं, जिससे सूजन हो सकती है।
- **बार-बार संक्रमण:** सिकल कोशिकाएं प्लीहा को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे संक्रमण का जोखिम बढ़ जाता है।
- **दृष्टि संबंधी समस्याएं:** सिकल कोशिकाएं आंखों में रक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर सकती हैं, जिससे दृष्टि हानि और संभावित रूप से स्थायी अंधापन हो सकता है।
- **प्रभाव:** लिंग में सिकल कोशिकाएं लगातार, दर्दनाक इरेक्शन का कारण बन सकती हैं।
- **अंग क्षति:** सिकल कोशिकाएं विभिन्न अंगों में रक्त प्रवाह को अवरुद्ध कर सकती हैं, जिससे अंगों की क्षति हो सकती है।

कारण और जोखिम कारक:

- **आनुवंशिक उत्परिवर्तन**: HBB जीन में उत्परिवर्तन सिकल सेल रोग का कारण बनता है।
- **ऑटोसोमल रिसेसिव इनहेरिटेंस**: लोगों को यह स्थिति विरासत में मिलती है जब दोनों माता-पिता उत्परिवर्तित जीन ले जाते हैं।
- **जोखिम समूह**: अफ्रीकी, भूमध्यसागरीय, मध्य पूर्वी और एशियाई भारतीय मूल के लोगों में सिकल सेल रोग विकसित होने की अधिक संभावना होती है।

निदान और परीक्षण

- **नवजात शिशु की जांच**: अस्पताल नियमित नवजात जांच के हिस्से के रूप में सभी शिशुओं का सिकल सेल रोग के लिए परीक्षण करते हैं।
- **हीमोग्लोबिन वैद्युतकण संचलन**: यह रक्त परीक्षण निदान की पुष्टि करता है।
- **प्रसवपूर्व परीक्षण:** कोरियोनिक विलस सैंपलिंग और एमनियोसेंटेसिस जन्म से पहले सिकल सेल रोग का निदान कर सकते हैं।

उपचार और प्रबंधन

- **दवाएँ:** वॉक्सेलॉटर, क्रिज़ानलिज़ुमैब, हाइड्रोक्सीयूरिया और एल-ग्लूटामाइन लक्षणों को प्रबंधित करने और जटिलताओं को रोकने में मदद कर सकते हैं।
- **उपचार:** तीव्र और लाल रक्त कोशिका आधान एनीमिया और अन्य जटिलताओं का इलाज करने में मदद कर सकते हैं।
- **स्टेम सेल प्रत्यारोपण:** अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण सिकल सेल रोग को ठीक कर सकता है, लेकिन इसके लिए संगत दाता की आवश्यकता होती है।
- **जीन थेरेपी**: शोधकर्ता असामान्य हीमोग्लोबिन जीन को ठीक करने या स्टेम सेल में एक सामान्य जीन डालने के लिए जीन थेरेपी का परीक्षण कर रहे हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारतीय रिजर्व बैंक

हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) के लिए स्व-नियामक संगठनों (SRO) की मान्यता के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक के बारे में:

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) भारत की केंद्रीय बैंकिंग संस्था है और भारतीय बैंकिंग प्रणाली के विनियमन के लिए उत्तरदायी नियामक निकाय है।
- इसकी स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत की गई थी।
- इसका राष्ट्रीयकरण 1 जनवरी, 1949 को किया गया था, जिसका अर्थ है कि सरकार ने निजी शेयरधारकों से स्वामित्व अपने हाथ में ले लिया।
- बैंक की स्थापना 1926 के रॉयल कमीशन ऑन इंडियन करेंसी एंड फाइनेंस की सिफारिशों पर की गई थी, जिसे आमतौर पर हिल्टन यंग कमीशन के रूप में जाना जाता है।
- RBI मूल्य स्थिरता बनाए रखने और उत्पादक क्षेत्रों को ऋण का पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए भारत की मौद्रिक नीति तैयार करता है और उसे लागू करता है।
- यह वित्तीय प्रणाली को विनियमित और पर्यवेक्षण करता है, वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करता है और वित्तीय बाजारों और संस्थानों के विकास को बढ़ावा देता है।
- यह भारत में मुद्रा नोटों का एकमात्र जारीकर्ता है, जो स्वच्छ और प्रामाणिक नोटों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

- यह विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 का प्रबंधन करता है, बाहरी व्यापार और भुगतान को सुविधाजनक बनाता है और विदेशी मुद्रा बाजार के व्यवस्थित विकास और रखरखाव को बढ़ावा देता है।
- RBI का मुख्यालय मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

हाल ही में, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने हरियाणा में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के गोदाम में 'श्रम-विरोधी प्रथाओं' को लेकर केंद्र को नोटिस भेजा है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के बारे में:

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक वैधानिक निकाय है।
- इसकी स्थापना 12 अक्टूबर, 1993 को पेरिस सिद्धांतों के अनुसार की गई थी।
- यह मानवाधिकार उल्लंघनों की समीक्षा करने और उन्हें संबोधित करने तथा उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है।
- इसे "हमारे देश के संविधान और न्यायालयों द्वारा गारंटीकृत व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता और सम्मान से संबंधित अधिकारों" के रूप में मानवाधिकारों की रक्षा करने का अधिकार दिया गया है।
- यह एक बहु-सदस्यीय निकाय है जिसमें एक अध्यक्ष, चार सदस्य एवं चार पदेन सदस्य शामिल हैं।
- अध्यक्ष और सदस्य पाँच वर्ष की अवधि या 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, तक सेवा करते हैं।

न्यूनतम समर्थन मूल्य

हाल ही में, केंद्र सरकार ने 14 फसलों पर विपणन सत्र 2024-25 की खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का फैसला किया है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य के बारे में:

- न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) भारत सरकार द्वारा कृषि उत्पादकों को फसलों के दाम में अचानक गिरावट से बचाने के लिए बाजार हस्तक्षेप का एक रूप है।
- सरकार कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों के आधार पर बुवाई के मौसम की शुरुआत में ही MSP की घोषणा कर देती है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य के उद्देश्य

- कृषि उत्पादों के मूल्यों को स्थिर करना और लाभदायक मूल्य वातावरण प्रदान करना।
- किसानों को संकटपूर्ण बिक्री से बचाना और यह सुनिश्चित करना कि उन्हें उचित लाभ मिले।
- उत्पादन को प्रोत्साहित करके खाद्य सुरक्षा बढ़ाने के लिए पर्याप्त खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित करना।

MSP प्रणाली की शुरुआत

- 1960 के दशक में जब हरित क्रांति की शुरुआत हुई, तो भारत ने अपने खाद्य भंडार को मजबूत करने और कमी को रोकने का प्रयास किया।
- गेहूं के लिए MSP प्रणाली की शुरुआत 1966-67 में हुई थी और बाद में इसे अन्य आवश्यक खाद्य फसलों तक बढ़ा दिया गया था, जिन्हें बाद में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीबों को रियायती दरों पर बेचा जाता था।

MSP लागू करने वाली सरकारी एजेंसियां

- भारतीय खाद्य निगम (FCI) और राज्य की एजेंसियां न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से उपज खरीदती हैं।

पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य

हाल ही में, पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य में बाढ़ के पानी में एक सींग वाला गैंडा और उसका बच्चा देखा गया है।

पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य के बारे में:

- पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य असम के मोरीगांव जिले में ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी तट पर स्थित एक वन्यजीव अभ्यारण्य है।
- अपने समान परिदृश्य और वनस्पति के कारण इसे "मिनी काजीरंगा" के रूप में भी जाना जाता है।
- इसे 1971 में आरक्षित वन और 1987 में वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था।
- यह अभयारण्य अपने विशाल भारतीय एक सींग वाले गैंडों की आबादी के लिए जाना जाता है, जो असम में सबसे बड़ी आबादी में से एक है।
- वनस्पति: वनस्पति में मुख्य रूप से अरुंडो डोनैक्स और सैकरम की प्रधानता वाली गीली सवाना शामिल है, जबकि शेष क्षेत्र में जल निकाय हैं।
- जीव-जंतु: जीव-जंतुओं में तेंदुए, तेंदुआ बिल्लियाँ, मछली पकड़ने वाली बिल्लियाँ, जंगली बिल्लियाँ, जंगली भैंस, जंगली सूअर, चीनी पैंगोलिन आदि शामिल हैं।

सुर्खियों में स्थल

बांग्लादेश

हाल ही में, बांग्लादेश में भारी बारिश के बीच अलग-अलग रोहिंग्या शिविरों में भूस्खलन में आठ रोहिंग्याओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई।

बांग्लादेश (राजधानी: ढाका)

अवस्थिति: बांग्लादेश दक्षिण एशिया में स्थित एक घनी आबादी वाला, निचला, मुख्य रूप से नदी वाला देश है।

सीमाएँ: बांग्लादेश भारत (पूर्व, पश्चिम और उत्तर), म्यांमार (दक्षिण-पश्चिम) और बंगाल की खाड़ी (दक्षिण) के साथ अपनी सीमा साझा करता है।

भौतिक विशेषताएँ:

- बिजय के नाम से भी जाना जाने वाला ताज़िंग डोंग पीक 1, बांग्लादेश की सबसे ऊँची पर्वत चोटी है।
- पद्मा बांग्लादेश की एक प्रमुख नदी है जो गंगा नदी की सहायक नदी है।

भारत-बांग्लादेश संबंध:

- भारत-बांग्लादेश संबंध साझा ऐतिहासिक संबंधों से विकसित हुए हैं, विशेष रूप से 1947 में भारत के विभाजन के दौरान।
- 1971 में मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जो इसकी संप्रभुता को मान्यता देने वाला पहला देश था।

POINTS TO PONDER

- भारत और अमेरिका के बीच महत्वपूर्ण और उभरती हुई प्रौद्योगिकियों (आईसीईटी) पर पहल की दूसरी वार्षिक बैठक कहाँ आयोजित की गई? – **नई दिल्ली**
- हाल ही में खबरों में रही डिजिटल स्वास्थ्य प्रोत्साहन योजना किस पहल के तहत शुरू की गई? – **आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन**
- हाल ही में खबरों में रहा 'प्लैनेट नाइन' क्या है? – **हमारे सौर मंडल के बाहरी क्षेत्र में एक काल्पनिक ग्रह**
- हाल ही में खबरों में रहा 'एसडीजी 7' का मुख्य उद्देश्य क्या है? – **सभी के लिए सस्ती, विश्वसनीय, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुँच सुनिश्चित करना**
- हाल ही में किन दो देशों के संदर्भ में खबरों में रहा "शांति ढांचे पर संयुक्त विज्ञप्ति"? – **रूस और यूक्रेन**